P-16 22 प्रकाश वर्ष दूर मिला पृथ्वी जैसा ग्रह

सोना ₹ 28,640 | चांदी ₹ 57,240

www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

अच्छी फील्डिंग से मिली जीत : धोनी P-14

देहरादून • नई दिल्ली • लखनऊ • गोरखपुर • पटना • कानपुर • वाराणसी से प्रकाशित

शनिवार, देहरादून, 4 फरवरी, 2012

नगर संस्करण, पृष्ठ 16+4

ई-मेल एकाउंट या सोशल नेटवर्किंग साइट में न डालें ज्यादा पर्सनल डिटेल

देहरादून (एसएनबी)। यदि ई-मेल एकाउंट हैकिंग या बैंक एकाउंट हैकिंग से बचना चाहते हैं तो सोशल नेटवर्किंग साइट पर बनाई अपनी आईडी पर पर्सनल डिटेल का कम से कम इस्तेमाल करें। तुलाज इंस्टीट्यूट द्वारा साइबर क्राइम पर आयोजित की गई कार्यशाला में नेट टेक के निदेशक स्वपन ने बताया कि कैसे छोटे से छोटे क्लू से एकाउंट हैक कर लिया जाता है और कैसे उससे बचा जा सकता है। एकाउंट हैक कर कोई भी हमारी आईडी का गलत इस्तेमाल सकता है।

कार्यशाला मे साईबर क्राइम पर बोलते हुए नेट टेक के निदेशक स्वप्न ने कहा कि ई-मेल, बैंक एकाउंट हैक करने के कई तरीके होते हैं। आपकी पर्सनल डिटेल हैक कर कोई भी हैकर आपको बड़ी मुसीबत में फंसा सकता है। उन्होंने साइबर कैफे में इंटरनेट करने को भी रिस्की बताया। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि साइबर कैफे में कोई साफ्टवेयर लगा हो जो आपका पासवर्ड हैक कर सकता है। इसके अलावा कई बार ऐसे मेल आते है जिसमें आपको बताया जाता है कि आपकी लाटरी निकली है, आपको अवार्ड मिला है आदि। ऐसे मेल पर अपनी जवाब देने से पहले उसमें दिए फोन नम्बर पर संपर्क कर असलियत जानने का प्रयास करना चाहिए। यदि जरा भी संदेह लगे तो अपनी पर्सनल डिटेल कभी भी उसे न दें। अक्सर हम अपने मेल या बैंक एकाउंट में अपने नाम, जन्मदिन, अपने किसी खास के नाम या उसके जन्मदिन को पासवर्ड के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। इस तरह के पासवर्ड जल्दी ही हैक कर लिए जाते हैं। जिसके बाद आपकी पर्सनल डिटेल लेकर आपको काफी नुकसान पहुंचाया जा सकता है। इसके अलावा यदि आप वाईफाई का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसमे अपने ई-मेल एकाउंट या इंटरनेट बैंकिंग को न खोले, यह काफी हद तक असुरक्षित है। उन्होंने कार्यशाला में कई उदाहरण देकर वहां मौजूद लोगों को हैकिंग और उससे बचने के तरीकों के बारे में बताया है।

▶ साइबर क्राइम पर तुलाज ने आयोजित की कार्यशाला